give further relaxations to the State Governments, in terms of conditions of repayment, etc.,—for instance, time-limit for repayment—of advances and overdrafts taken by the State Governments from the Reserve Bank of India?

SHRI MANMOHAN SINGH: Sir, as of now, I do not think any further liberalisation of the present scheme is called for.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWER TO QUESTIONS

India's Balance of Payment Position

*261. SHRI DIPEN GHOSH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the foreign trade deficit expected for this year;

(b) whether this includes imports for defence;

(c) what is the expected overall Balance of Payment deficit; and

(d) how this deficit is expected to be covered?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) and (b) The expected foreign trade deficit during the current year would depend on our export performance and the level of imports we can maintain keeping in view our foreign exchange reserves position. However, it is expected that current year's trade deficit would be lower compared to the last year's trade deficit at Rs. 15,142 crores when imports including defence imports are estimated to Rs. 48,320 crores and exports at Rs. 33,178 crores.

(c) and (d) The current account deficit in the overall balance of payments will in turn depend on the trade deficit and net invisible receipts through travel, transport, investment income inculding payment of interest etc. The resultant current account deficit will be covered by the net inflows in the capital account where external loans including that from IMF, external commercial borrowings, NRI deposits and other capital receipts are expected to cover the current account deficit.

Setting up of Trade Development Missions in Indian Embassies

*262. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are contemplating to set-up Trade Development Missions in Indian Embassies for promotion of exports; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) At present, commercial Offices are functioning in most of the important Indian Missions abroad. Measures to strengthen commercial representation in our Missions will be taken as and when necessary.

(b) Does not arise.

व्यापार विकास प्राधिकरण और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान पर खर्च की गई धनराशि

*264. श्री ईशवत्त यादव : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान व्यापार विकास प्राधिकरण और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गई है; और

(ख) उक्त अवधि के दौरान व्यापार विकास प्राधिकरण की सहायता से कुल कितने मूल्य का व्यापार किया गया है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रख दिया गया है, (नीचे **देखिए**) जिसमें पिछले पांच वर्षों अर्थात् 1986-87 से 1990-91 के दौरान व्यापार विकास प्राधिकरण और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान पर खर्च की गई राशि दर्शाई गई है।

(ख) व्यापार विकास प्राधिकरण एक निर्यात संवर्धन संगठन है, जिसकी स्थापना निश्चित बाजारों को चुनौतीदा गैर-पारम्परिक उत्पादों का निर्यात बढ़ाने तथा निर्यातकों को, मुख्य रूप से लघु क्षेत्र के निर्यातकों को अनेक प्रकार की सेवाएं प्रदान करने के संबंध में ध्यान देने के लिए की गई है। यह प्रत्यक्षत: निर्यात सौदे नहीं करता है अपितु एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाकर अपने सदस्यों की केवल इन सौदों में मदद करता है। अत: व्यापार विकास प्राधिकरण की सहायता से किए गए व्यापार की मात्रा बताना संभव नहीं है। तथापि, इसके संवर्धनात्मक कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप पिछले पांच वर्षों के दौरान उसके सदस्यों को जो कारोबार प्राप्त हुआ उसका अनुमानित मूल्य 581.09 करोड़ रु० है, जिसके अलग-अलग आंकड़े सभापटल पर रख दिए गए हैं।

विवरण

(क) पिछले पांच वर्षों अर्थात् 1986-87 से 1990-91 के दौरान व्यापार विकास प्राधिकरण तथा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान पर खर्च की गई राशियां नीचे दी गई हैं :-

वर्ष	व्यापार विकास प्राधिकरण	भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
	(लाख रु० में)	
1986-87	308.92	146.83
1987-88	413.08	163.97
1988-89	443.14	172.37
1989-90	523.61	191.60
1990-91	553.29	204.03
योग :	2242.04	878.80

(ख) व्यापार विकास प्राधिकरण के सदस्यों द्वारा पिछले पांच वर्षों अर्थात् 1986-87 से 1990-91 के दौरान प्राप्त किए गए कारोबार के अनुमानित मूल्य का ब्यौरा नीचे दिया गया है :-

वर्ष	सूचित कारोबार (करोड़ रु० में)
1986-87	54.00
1987-88	93.72
1988-89	115.68
1989-90	188.48
1990-91	129.21
योग :	581.09

Huts insured under the Hut insurance Scheme

*269. **CHOWDHRY HARI SINGH**: Will the Minister of **FINANCE** be pleased to state:

(a) the number of huts that have been insured in the rural areas of Delhi under the Hut Insurance Scheme during the years 1990 and 1991; and

(b) what is the number of huts that have been burnt down due to fire in the above area in 1990 and 1991?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH):

(a) All the huts/dwelling units